[Shri Uttam Rathod]

the passengers. The result is that Indians are more inclined to travel by the airlines of other countries, when they go abroad than to go by Air India.

If the services of Air India staff do not improve, there will be further loss in the traffic revenues of Air India, which has already been incurring losses.

The Government should see how best to improve the services of Air India, especially when Air India is facing stiff competition from several international airways. More tourist traffic from abroad will help in earning foreign exchange so badly needed by the country.

(vi) SHORTAGE OF TEXT BOOKS IN THE COUNTRY.

श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा (आरा) : उपाध्यक्ष महोदय, देश में कागज की कमी के कारण कंट्रोल की कापियों सहित लेखन-सामग्री की कमी का समाचार समय-समय पर आता रहा है। कागज की कमी के कारण अनेक राज्यों में पाठ्य-पुस्तकों की कमी भी महसूस की गई है। इस सम्बन्ध में एन० सी० ई० आर० टी० द्वारा किए गए प्रयासों से समस्या का कोई समाधान नहीं निकला जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न राज्यों में लाखों छात्रों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

बिहार उनमें से एक ऐसा राज्य है जहां पाठ्य-पुस्तकों के अभाव से लगभग 20 लाख छात्रों का भविष्य बरबाद हो रहा है, ऐसी सूचना प्राप्त हुई है। लगभग 4 साल बीत जाने पर भी छात्रों को अभी तक एक भी पाठ्य-पुस्तक उपलब्ध नहीं है। तीसरी कक्षा में लगभग 7.5 लाख छात्र हैं। उनके लिए पाठ्य-पुस्तकों की व्यवस्था बिलकुल ही नहीं की गई है। मालूम हुआ है कि इन पाठ्य-पुस्तकों का मुद्रण तथा वितरण आगामी अक्तूबर-नवम्बर तक भी कर सकना संभव नहीं होगा। दूसरी कक्षा के छात्रों को भी 5 प्रतिशत पाठ्य-पुस्तकों से भी अधिक उपलब्ध नहीं हुई हैं।

सरकार बार-बार आश्वासन देती रही है कि छात्रों को पाठ्य-पुस्तकें समय पर उपलब्ध कराई जायेंगी और कागज की कमी आड़े नहीं आएगी। बिहार सरकार अनेक बार यह आश्वासन भी दे चुकी है कि तीसरी कक्षा के छात्रों को भी 1981 में मुफ्त पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध कराई जायेंगी। तथापि, अभी तक इस बारे में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम में कुप्रबन्ध व्याप्त है, यद्यपि उन्होंने यह तक दिया है कि पाठ्य-पुस्तकें प्रकाशन न किए जाने का मुख्य कारण कागज की कमी ही है।

अतः मैं केन्द्रीय सरकार से अपील करता हूं कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करके आवश्यक व्यवस्था करे ताकि 20 लाख छात्रों का भविष्य बर्बाद न होने पाए।

(vii) NEED TO PROVIDE REGULAR EMPLOYMENT AND BASIC AMENITIES TO SRI LANKA REPATRIATES SETTLED IN VALPARAI HILLS, TAMIL NADU.

SHRI C. T. DHANDAPANI (Pollachi): More than 5,000 Sri Lanka repatriates are settled in Valparai Hills (Anamalai Hills), Coimbatore District, Tamil Nadu with promise of help by the State Government, but they have not been given regular employment and the basic amenities in tea estates. The repatriates are just put in the leave vacancies of permanent employees in the tea gardens. They find difficulty to put up their hutments, because the State Government did not mark the areas where they can live.. Neither protected water supply, nor medical care is being given to them.

Despite my repeated representations to the State Government authorities, no proper step is taken. Re-